

भारत-जापान के लिये वेस्ट कंटेनर टर्मिनल का प्रस्ताव: श्रीलंका चर्चा में क्यों?

हाल ही में श्रीलंका ने भारतीय और जापानी कंपनियों को वेस्ट कंटेनर टर्मिनल (West Container Terminal) देने का फैसला किया है।

- यह फैसला श्रीलंका सरकार द्वारा वर्ष 2019 के त्रिपक्षीय समझौते से भारत और जापान को बाहर निकालने के एक महीने बाद आया है। इस समझौते के अंतर्गत इन दोनों भागीदारों को संयुक्त रूप से ईस्ट कंटेनर टर्मिनल (East Container Terminal) को विकसित करना था।



प्रमुख बटु

WCT परियोजना के विषय में:

- श्रीलंका ने भारत के अडानी पोर्ट्स, विशेष आर्थिक क्षेत्र लिमिटेड और इसके स्थानीय प्रतिनिधिको सार्वजनिक-नज्दी भागीदारी के अंतर्गत 35 वर्षों की अवधि के लिये **नर्माण, संचालन और स्थानांतरण** (Build, Operate and Transfer) के आधार पर WCT को विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना में जापान एक निवेशक के रूप में होगा।

हस्तिसेदारी:

- श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी (SLPA) के पास ECT परियोजना में 51% हस्तिसेदारी है, लेकिन WCT के प्रस्ताव में भारत और जापान को 85% हस्तिसेदारी दी जाएगी।
- यह कोलंबो इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल (CICT) के लिये निर्धारित शर्तों के समान है, जहाँ चाइना मर्चेंट्स पोर्ट होल्डिंग्स कंपनी लिमिटेड की 85% हस्तिसेदारी है।

महत्त्व:

- WCT चीन द्वारा संचालित CICT से सटा हुआ है और चीन संचालित पोर्ट सट्टी से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर बनाया जा रहा है, जो रणनीतिक रूप से इसे भारत के लिये महत्त्वपूर्ण बनाता है।
- यह परियोजना भारत को हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक दृष्टि (**SAGAR**), **पड़ोस पहले की नीति** (Neighbourhood First Policy) और चीन की **सूट्रिंग ऑफ़ पेरल्स** (String of Pearl) रणनीति का मुकाबला करने में सहायता करेगी।
- कोलंबो का प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब उसे **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद** (UN Human Right Council) के सत्र में समर्थन की आवश्यकता है, जहाँ देश में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर एक प्रस्ताव जल्द ही मतदान के लिये रखा जाएगा।

भारत - श्रीलंका संबंध

- **पृष्ठभूमि:** भारत, श्रीलंका का निकटतम पड़ोसी है। दोनों देशों के बीच संबंध 2,500 साल से अधिक पुराना है और दोनों पक्षों ने बौद्धिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं भाषायी सहयोग की वरिष्ठता का निर्माण किया है।
- **आतंकवाद के खिलाफ समर्थन:** श्रीलंका में गृहयुद्ध के दौरान भारत ने वदिरोही ताकतों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिये श्रीलंकाई सरकार का समर्थन किया था।
- **पुनर्वास के लिये समर्थन:** भारतीय आवास परियोजना (**Indian Housing Project**) भारत सरकार द्वारा श्रीलंका को वकिसात्मक सहायता देने के लिये प्रमुख परियोजना है। इस परियोजना के तहत गृहयुद्ध से प्रभावित क्षेत्रों के लोगों तथा चाय बागान श्रमिकों के लिये 50,000 घरों का निर्माण करना है।
- **कोवडि-19 के दौरान सहायता:** **भारतीय रजिस्त्र बैंक** (RBI) ने कोवडि महामारी से बुरी तरह प्रभावित श्रीलंका के वदिशी मुद्रा भंडार को बढ़ावा देने और उसकी वतितीय स्थिति सुधारने के लिये इसे **400 मिलियन अमेरिकी डॉलर की मुद्रा वनिमिय सुवधि** प्रदान करने हेतु एक समझौते पर हस्ताक्षर किये थे। भारत ने श्रीलंका को कोवडि-19 टीके भी दिये हैं।
- **संयुक्त अभ्यास:** भारत और श्रीलंका संयुक्त सैन्य (**मतिर शक्ति**) तथा नौसेना अभ्यास (**SLINEX**) का आयोजन करते हैं।
- **समूहों में भागीदारी:** श्रीलंका **बमिस्टेक** (Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation) और **सारक** (SAARC) जैसे गुरुपों का भी सदस्य है, जनिमें भारत एक अग्रणी भूमिका नभिता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/west-container-terminal-offer-to-india-japan-sri-lanka>

